नेशनल सोयाबीन रिसर्च इंस्टीट्यूट सीहोर में

स्थापना के लिए 20 हेक्टेयर भूमि नि:शुल्क देगी सरकार

कैबिनेट ने इस संबंध में पेश प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 11 अगस्त. राज्य सरकार ने किसान वर्ष में सोयाबीन किसानों को बड़ी सौगात दी है. इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च भारत सरकार तहत गठित उपक्रम नेशनल सोयाबीन रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना मप्र में होगी.

ये इंस्टीट्यूट ग्राम भाऊखेड़ी तहसील इछावर जिला सीहोर में स्थापित होगा. इंस्टीट्यूट के लिए राज्य सरकार 20 हेक्टेयर जमीन नि:शुल्क उपलब्ध कराएगी. कैबिनेट ने मंगलवार को इस संबंध में पेश प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है. यहां बता दें कि भारतीय कृषि अनुसंधान के राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन एक स्वायत निकाय है, जिसे केन्द्र सरकार द्वारा पूर्ण रूप से वित्त पोषित किया जाता है. यह संस्थान सोयाबीन अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से देश के लगभग 50 लाख सोयाबीन किसानों के हितों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है. प्रस्तावित भूमि का उपयोग विशुद्ध रूप से कृषि विज्ञान केन्द्र स्थापित करने के लिये किया जाएगा.

श्रमिकों के साथ रहवासियों को भी मिलेगा लाभांश

कैबिनेट ने वन विभाग के तहत संयुक्त वन प्रबंधन समितियों को लाभांश प्रदाय से संबंधित योजना को वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक निरंतर संचालन के लिए 918 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है. इस योजना का उद्देश्य संयुक्त वन प्रबंधन अंतर्गत वनों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए श्रमिकों के साथ रहवासियों की जन-भागीदारी प्राप्त करना है. प्रावधानों के अनुरूप काष्ठ के अंतिम पातन से प्राप्त काष्ठ की बिक्री से प्राप्त राजस्व की 20 प्रतिशत राशि संयुक्त वन प्रबंधन समिति को दी जाती है. साथ ही बांस के विदोहन से प्राप्त शुद्ध लाभ का शत-प्रतिशत, कटाई में संलग्न श्रमिकों को प्रदाय किया जाता है. इस योजना के तहत अब श्रमिकों के साथ ही समिति से जुड़े क्षेत्रों के रहवासियों को भी लाभांश दिया जाएगा. वहीं भविष्य में लाभांश केवल स्थानीय लोगों को भी दिए जाने पर विचार किया जा रहा है. कैबिनेट ने देवास जिले में 14 मई 2026 को टोकंकला में स्थित पटाखा फैक्ट्री में घटित दुखद अग्नि दुर्घटना की न्यायिक जांच के लिए सुभाष काकड़े सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति, उच्च न्यायालय जबलपुर की अध्यक्षता में एकल सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग गठित किये जाने और जॉच आयोग के कार्यकाल में तीन माह 14 अगस्त 2026 तक की वृद्धि किये जाने के संबंध में जारी अधिसूचना का अनुसमर्थन कर दिया है.

ये महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए

➡ रानी दुर्गावती राज्य स्तरीय पुरस्कार राशि 2 लाख रुपये और रानी अवन्ती बाई राज्य स्तरीय वीरता पुरस्कार राशि को एक से बढ़ाकर 2 लाख रूपये करने की स्वीकृति. ➡ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और आयुष्मान भारत सहित स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन 31 मार्च 2031 तक जारी रहेगा, इसके लिए 44 हजार 515.13 रूपये की मंजूरी. ➡ कृषि विश्वविद्यालय के निरंतर अगले पांच वर्ष तक संचालन के लिए 795 करोड़ 59 लाख रूपये मिलेंगे. ➡ खनिज साधन विभाग की परिसंपत्तियों के संधारण के लिए 2 करोड़ 50 लाख रूपये मिलेंगे. ➡ देवास की पटाखा फैक्ट्री में अग्नि दुर्घटना जाँच के लिए गठित एकल सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का अनुमोदन. ➡ मप्र लोक सेवा आयोग के 63वें, 64वें और 68वें वार्षिक प्रतिवेदन को विधान सभा के पटल पर रखने का अनुमोदन.

इंदौर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस का उज्जैन स्टेशन पर प्लेटफॉर्म परिवर्तन

भोपाल. पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं परिचालन व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मंगलवार से उज्जैन स्टेशन पर इंदौर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के प्लेटफॉर्म में परिवर्तन किया गया है. इस क्रम में भोपाल होकर संचालित गाड़ी संख्या 20911 इंदौर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस का उज्जैन स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 06:50/06:55 बजे रहेगा. यह ट्रेन अब प्लेटफॉर्म संख्या 01 से संचालित होगी. उक्त ट्रेन के समय, ठहराव एवं कोच संरचना में अन्य कोई परिवर्तन नहीं किया गया है. ट्रेनों के ठहराव, कोच संरचना एवं समय-सारणी की विस्तृत जानकारी के लिए यात्री रेलवे की वेबसाइट पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं.

एमपी में झमा-झम बारिश का दौर

38 जिलों में गरज-चमक व तेज हवा की चेतावनी

5 दिन तक सक्रिय रहेगा मानसून

नवभारत न्यूज

भोपाल, 11 अगस्त. मध्यप्रदेश में मानसून एक फिर से मजबूत हो गया है. पिछले तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है. प्रदेश के कई जिलों में कहीं रुक-रुककर या तेज बारिश हो रही है. मौसम विभागा का कहना है कि अगले पांच दिन प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश का दौर बना रह सकता है.

मौसम विभाग ने खंडवा, बड़वानी, धार और मंदसौर में कहीं-कहीं अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है. इन जिलों के साथ कई अन्य क्षेत्रों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवा, गरज-चमक और आकाशिए बिजली की आशंका भी जताई गई है. मौसम विभाग के अनुसार, मानसून ट्रफ बीकानेर से उत्तर-पश्चिमी मप्र, सीधी,रांची और फिर पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है. बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती परिसंचरण भी नमी खींच रहा है. इसके प्रभाव से 12 अगस्त के आसपास इसी क्षेत्र में नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है. यही वजह है कि प्रदेश में अलग-अलग हिस्सों में तेज बारिश की गतिविधियां लगातार बनी रह सकती हैं.

पिछले 24 घंटे में कहां बरसा पानी

बीते 24 घंटे में राजगढ़ जिले के ब्यावरा में 9.01 इंच और खिलचीपुर में 8.07 इंच बारिश दर्ज की गई, जो अति भारी बारिश की श्रेणी में है. जीरापुर में 7.5 इंच पानी गिरा. राजगढ़ में 4.4 इंच, गुलाना में 4.01इंच, नरसिंहगढ़ में 3.74 इंच, पचोर में 3.66 इंच, कुरावर में 3.5 इंच, सागर में 3.47 इंच और शाजापुर में 3.2 इंच बारिश दर्ज हुई.

बारिश के बीच उठीं 6 अर्थियां एक साथ दी गई अंतिम विदाई

देवास 11 अगस्त. मध्यप्रदेश में देवास जिले के सतवास थाना क्षेत्र के धांसड़ गांव में सोमवार को हुए दर्दनाक हादसे के बाद मंगलवार को मातम पसरा रहा. हल्की बारिश के बीच गांव से एक साथ छह अर्थियां उठीं. मृतक पिता के साथ उनकी दोनों मासूम बच्चियों की अर्थियां भी एक साथ अंतिम यात्रा में शामिल थीं.

गांव की गलियों से एक साथ छह अर्थियां गुजरने का दृश्य देख हर किसी की आंखें नम हो गईं. हादसे में जान गंवाने वाले परिवार के तीन अन्य सदस्यों का अंतिम संस्कार खंडवा जिले के पुनासा में किया गया. धांसड़ गांव में अंतिम संस्कार के दौरान क्षेत्रीय विधायक मुरली भंवरा सहित ग्रामीणों ने मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी. पूरे गांव में गम और सन्नाटे का माहौल रहा. सबसे मार्मिक दृश्य उस समय सामने आया, जब शंकर के छोटे बेटे खुशाल ने अपने माता-पिता, भाई-भाभी और दो मासूम बच्चों को मुखाग्नि दी. एक साथ परिवार के कई सदस्यों को अंतिम विदाई देते समय खुशाल और परिजनों का दर्द देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति भावुक हो गया. परिजनों के अनुसार हादसे में जान गंवाने वाले विशाल की पत्नी पूजा गर्भवती थी. एक ही हादसे में परिवार की कई जिंदगियां उजड़ गईं और एक अजन्मे बच्चे से भी उसका परिवार छिन गया.

स्वतंत्रता दिवस : वंदेमातरम् का होगा गायन

अनौपचारिक में सीएम ने कहा, अब तक ये व्यवस्था नहीं थी

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 11 अगस्त. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश 15 अगस्त को देश अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है. इस अवसर पर पहली बार राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम् का गरिमापूर्ण गायन होगा, अब तक यह व्यवस्था नहीं थी.

स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का गत वर्ष की तरह सभी जिलों में लाइव प्रसारण किया जाएगा. इसके बाद प्रभारी मंत्री अपने जिलों में हुए विकास कार्यों की जानकारी देंगे. देश विभाजन की विभीषिका के संदर्भ में 14 अगस्त को विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस मनाया जाएगा. देश के विभाजन के समय विस्थापन का दंश झेलने वाले और अपने प्राण गवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए यह दिवस मनाया जाएगा. सभी मंत्रीगण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से सहभागिता करें.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कैबिनेट की बैठक से पहले कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के वेब पोर्टल को देश में प्रथम पुरस्कार मिलने पर बधाई दी. मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिलीप जायसवाल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिवादन किया.

> सीएम ने कहा कि संत रविदास के 650वें जयंती वर्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश के अलग-अलग राज्यों में समरसता संकल्प यात्रा जारी है. इसी क्रम में मप्र में 18 अगस्त से प्रदेशस्तरीय समरसता अभियान का शुभारंभ होगा. इसके बाद सभी मंत्रीगण 20 अगस्त को अपने जिलों में आयोजित कार्यकमों में शामिल होंगे. समरसता कलश रथ यात्रा प्रदेश के प्रत्येक जिले में पहुंचेगा.

एमपीएनसी के रजिस्ट्रार को रिकॉर्ड सहित किया तलब

जबलपुर, 11 अगस्त. हाईकोर्ट जस्टिस आनंद पाठक एवं जस्टिस बीपी शर्मा की युगलपीठ ने नर्सिंग कॉलेज के मान्यता संबंधित फर्जीवाडे के मामले में मध्य प्रदेश नर्सिंग काउंसिल के रजिस्ट्रार को रिकॉर्ड के साथ तलब किया है. युगलपीठ ने याचिका पर अगली सुनवाई 13 अगस्त को निर्धारित की है.

गौरतलब है कि लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन की तरफ से दायर जनहित याचिका में प्रदेश में खुले सैकड़ों फर्जी नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया को चुनौती दी गई थी. याचिका में कहा गया था कि निर्धारित शर्तो का पालन नहीं करने के बावजूद भी कागजों में संचालित नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता प्रदान की गयी है. हाईकोर्ट ने याचिका की सुनवाई करते हुए प्रदेश में संचालित नर्सिंग कॉलेज की जांच के निर्देश सीबीआई को दिये थे.

सीबीआई जांच में प्रदेश में संचालित 695 नर्सिंग कॉलेजों में 156 कॉलेज सूटेबल पाये गये थे. जांच में पाई गई कमियों को दूर कर 89 कॉलेजों भी सूटेबल की श्रेणी में आ गये थे. पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान नर्सिंग कौंसिल की तरफ से नर्सिंग कॉलेजों के लंबित परीक्षाएं कराने और परीक्षा परिणाम घोषित करने की अनुमति की मांग करते हुए आवेदन पेश किया था.

आवारा पशुओं की समस्या जस की तस

भोपाल. मध्यप्रदेश के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने प्रदेश में आवारा पशुओं की समस्या को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने कहा कि विधानसभा के बजट सत्र में उनके ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर आवारा पशुओं की गंभीर समस्या पर विस्तृत चर्चा हुई थी. इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष सहित सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने समस्या की गंभीरता स्वीकार की थी. श्री सिंह ने कहा कि तत्कालीन पशुपालन मंत्री लखन पटेल और सरकार के अन्य मंत्रियों ने किसानों तथा आमजन को इस समस्या से राहत दिलाने के लिए शीघ्र ठोस कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन लंबा समय बीत जाने के बाद भी धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है.

छिंदवाड़ा में विमान में तकनीकी खराबी

पूर्व सांसद नकुलनाथ बैठक के लिए नहीं जा सके भोपाल

छिंदवाड़ा, 11 अगस्त. मध्यप्रदेश में मंगलवार सुबह छिंदवाड़ा एयर स्ट्रिप पर उस समय हड़कंप मच गया जब भोपाल के लिए उड़ान भरने को तैयार पूर्व सांसद नकुलनाथ के विमान में तकनीकी खराबी आ गई.

राहत की बात रही कि विमान ने उड़ान भरने से पहले ही तकनीकी समस्या पकड़ ली और पायलट ने विमान को उड़ाने का फैसला टाल दिया. पूर्व सांसद नकुलनाथ और मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी मंगलवार सुबह छिंदवाड़ा से भोपाल के लिए रवाना होने वाले थे. दोनों नेता भोपाल में आयोजित कांग्रेस की बैठक में शामिल होने जा रहे थे. निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोनों नेता एयर स्ट्रिप पहुंचे और स्टाफ के साथ विमान में सवार हुए.

विमान को उड़ान के लिए तैयार किया गया, लेकिन कुछ देर बाद तकनीकी खराबी सामने आई. विमान रनवे पर खड़ा था और उड़ान भरने की तैयारी चल रही थी.

इसी दौरान इंजन में खराबी की जानकारी मिलने पर पायलट ने तत्काल विमान को उड़ाने से रोक दिया. पायलट की सतर्कता के चलते विमान में सवार पूर्व सांसद नकुलनाथ और प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी समेत स्टाफ के सदस्यों को सुरक्षित विमान से नीचे उतार लिया गया. विमान के उड़ान नहीं भरने से मौके पर मौजूद लोगों में भी चिंता का माहौल बन गया. इंजन में तकनीकी खराबी सामने आने के बाद हरीश चौधरी ने सड़क मार्ग से भोपाल जाने का निर्णय लिया. वहीं पूर्व सांसद नकुलनाथ बाद में नागपुर के लिए रवाना हो गए. विमान में आई तकनीकी खराबी के कारण दोनों नेताओं का निर्धारित हवाई सफर नहीं हो सका.

पीएसी की बैठक में बनी रणनीति

कांग्रेस की प्रदेशव्यापी आंदोलन की तैयारी

विशेष संवाददाता

भोपाल, 11 अगस्त. मध्यप्रदेश कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में करीब पांच घंटे तक चली महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों, संगठन की रणनीति और जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया. बैठक में आगामी कार्यक्रमों और प्रदेशव्यापी आंदोलनों की रूपरेखा भी तय की गई.

बैठक में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह (वर्चुअल माध्यम से), पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, कमलेश्वर पटेल, कांतिलाल भूरिया, सज्जन सिंह वर्मा और बाला बच्चन सहित वरिष्ठ नेता शामिल हुए.

बैठक के बाद संयुक्त पत्रकार वार्ता में हरीश चौधरी ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत कांग्रेस युवाओं, छात्रों, किसानों, महिलाओं और ओबीसी के अधिकारों के लिए संघर्ष तेज करेगी. उन्होंने कथित खाद संकट, उज्जैन में भ्रष्टाचार, राम मंदिर चढ़ावे से जुड़े विवाद तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज मामलों को लेकर सरकार पर निशाना साधा.

> जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस स्वच्छ, समृद्ध और सुरक्षित मध्यप्रदेश के विकल्प के रूप में जनता के सामने उभरेगी. दतिया उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह की जीत को उन्होंने बदलाव की राजनीति का संदेश बताया. उमंग सिंघार ने कहा कि दतिया की जीत से आगामी नगरीय निकाय चुनावों से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है. उन्होंने परीक्षा में अनियमितताओं, पेपर लीक और कथित फर्जी नियुक्तियों के मुद्दे उठाते हुए 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण तथा आदिवासी अधिकारों की सुरक्षा की मांग की.

साइबर ठगी से याददाश्त खो बैठी महिला

आर्मी एक्सप्लोजर ऐप पर किया था 1.50 लाख का निवेश

भोपाल, 11 अगस्त. साइबर ठगों ने पहले लालच दिया, फिर भरोसा जीता और आखिर में एक महिला की जमा-पूंजी पर हाथ साफ कर दिया. टेलीग्राम पर निवेश के नाम पर शुरू हुआ खेल महिला से करीब 1.50 लाख रुपये की ठगी के साथ खत्म हुआ. रकम डूबने के सदमे से महिला की मानसिक हालत बिगड़ गई.

वह परिजन को पहचानने तक में परेशानी महसूस करने लगी. परिजनों को मजबूरन उसका मनोचिकित्सक से इलाज कराना पड़ा. मामला भोपाल के अशोका गार्डन थाना क्षेत्र का है. पुलिस ने बताया कि प्रगति नगर निवासी आशा विश्वकर्मा गृहणी हैं. शिकायत के अनुसार, महिला के मोबाइल पर एक संदिग्ध लिंक आया था. लिंक खोलने पर निवेश संबंधी साइट खुली, जहां रकम दोगुनी करने का लालच दिया गया. इसके बाद साइबर ठगों ने टेलीग्राम के जरिए महिला से संपर्क किया. ठगों ने महिला को शुरुआत में छोटी रकम निवेश करने के लिए कहा. उनके कहने पर महिला ने 8 हजार रुपये लगाए. कुछ समय बाद उसके खाते में 14 हजार रुपये वापस भेज दिए गए. खाते में ज्यादा रकम आते ही महिला को भरोसा हो गया कि निवेश का सौदा सही है. इसके बाद महिला ठगी की शिकार हुई और उसने डेढ़ लाख गंवा दिए.

> यह एक मानसिक ट्रॉमा है. कुछ गंभीर मामलों में यह अनुभव पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर का रूप भी ले सकता है. पीड़ित व्यक्ति में तेज तनाव, घबराहट, नींद की समस्या और मानसिक अस्थिरता जैसी परेशानियां हो सकती हैं. अचानक बड़ी रकम गंवाने के साथ अपराधबोध और परिवार से बात छिपाने का दबाव स्थिति को और गंभीर बना सकता है. ऐसे मामलों में पीड़ित को दोष देने के बजाय भावनात्मक सहयोग देना जरूरी है. मानसिक स्थिति में बदलाव दिखे तो समय पर मनोचिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए. **-डॉ. आरएन साहू, मनोचिकित्सक**

ऑपरेशन मुस्कान : 13 लापता नाबालिगों को खोज निकाला

विशेष संवाददाता

भोपाल, 11 अगस्त. मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रदेशभर में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत पिछले 10 दिनों में लापता एवं अपहृत 13 नाबालिग बालक-बालिकाओं को सकुशल तलाश कर उनके परिजनों से मिलाया है.

पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, साइबर सेल की मदद, मोबाइल एवं टावर लोकेशन ट्रैकिंग तथा लगातार मैदानी कार्रवाई के जरिए बच्चों का पता लगाया.

पुलिस टीमों ने मध्यप्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तरप्रदेश तक अभियान चलाकर नाबालिगों को बरामद किया. कटनी पुलिस ने तीन नाबालिग बालिकाओं को तलाशा, जिनमें एक मुंबई और दूसरी गुजरात के मोरबी से मिली. देवास पुलिस ने अपहृत पांच नाबालिग बालिकाओं को बरामद किया, जिनमें दो को पिछले 24 घंटे में तलाशा गया.

सिंगरौली पुलिस ने 16 वर्षीय लापता बालिका को उत्तरप्रदेश के अनपरा से सकुशल बरामद किया. राजगढ़ पुलिस ने दो नाबालिगों को तलाशा, जिसमें एक बालिका को 72 घंटे के भीतर अहमदाबाद से बरामद किया गया. सीहोर और गुना पुलिस ने भी लापता नाबालिगों को सकुशल उनके परिवारों तक पहुंचाया.

छात्र की पिटाई की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश

मुरैना. जिले में छठवीं कक्षा के एक छात्र द्वारा परीक्षा में नकल कराने से इनकार करने पर छात्रों और शिक्षकों द्वारा कथित रूप से डंडों से बेरहमी से पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है. पिटाई में छात्र के हाथ की हड्डी टूट गई. पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पोरसा थाना प्रभारी को जांच कर आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं. प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधारा के सरकारी स्कूल में छठवीं कक्षा में पढ़ने वाला छात्र समर सिंह तोमर 01 अगस्त को परीक्षा दे रहा था. उसके पीछे परीक्षा दे रहे दो अन्य छात्रों ने उसकी कॉपी से नकल करने का प्रयास किया.

शिक्षा भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने पहल

कॉलेजों में शुरू होगी संस्कृत की पढ़ाई

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 11 अगस्त. प्रदेश सरकार ने उच्च शिक्षा में भारतीय भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन प्रमुख सरकारी कॉलेजों में स्नातक स्तर पर संस्कृत विषय शुरू करने का फैसला लिया है।

यह नई व्यवस्था आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू कर दी जाएगी। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के निर्देशों के बाद विभाग ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिए हैं। इस निर्णय से स्थानीय विद्यार्थियों को अपने ही क्षेत्र में संस्कृत की पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा और उन्हें दूर के शहरों में नहीं जाना पड़ेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत फैसला

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने बताया कि यह कदम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप है। इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कृति को आधुनिक शिक्षा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि संस्कृत भारत की ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर की मूल वाहक है। इस विषय की पढ़ाई से छात्र अपनी जड़ों से जुड़ेंगे और प्राचीन ज्ञान की उपयोगिता को समझ सकेंगे। वहीं विभाग ने तीनों संबंधित कॉलेजों के प्रशासन को सत्र शुरू होने से पहले सभी जरूरी तैयारियां पूरी करने के आदेश दिए हैं। इसमें शिक्षकों की नियुक्ति, पाठ्यक्रम का निर्धारण और छात्रों के प्रवेश से जुड़ी प्रक्रियाएं शामिल हैं ताकि सत्र शुरू होते ही कक्षाएं सुचारू रूप से चलाई जा सकें।

3 कॉलेजों में शुरू होगी पढ़ाई

1. विदिशा जिले का शासकीय कन्या महाविद्यालय बासोदा
2. शाजापुर जिले का जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शुजालपुर
3. आगर मालवा जिले का शासकीय महाविद्यालय सोयत कलां

पेज तीन के शेष

सूर्य ग्रहण आज : दुनिया और भारत के लिए क्या संकेत?

भारत के लिए क्या संकेत: भारत के संदर्भ में यह ग्रहण विशेष रूप से जनता, कृषि, खाद्य सुरक्षा, आवास, आंतरिक राजनीति और जनभावनाओं से जुड़े विषयों को सामने ला सकता है.

४राजनीति और जनमत: कर्क राशि जनता और सामूहिक भावनाओं से जुड़ी होने के कारण राजनीतिक दलों के लिए जनता की अपेक्षाएं और भावनात्मक मुद्दे अधिक महत्वपूर्ण हो सकते हैं. सरकारों को जन कल्याण, सामाजिक सुरक्षा और आम नागरिक से जुड़े मुद्दों पर अधिक ध्यान देना पड़ सकता है.

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था: कर्क का संबंध भूमि, जल और पोषण से माना जाता है. इसलिए कृषि, मानसून, सिंचाई, खाद्य कीमतें और ग्रामीण अर्थव्यवस्था आने वाले समय में महत्वपूर्ण विषय रह सकते हैं.

अर्थव्यवस्था और रियल एस्टेट: घर, भूमि और संपत्ति कर्क राशि के प्रमुख विषय हैं. इसलिए रियल एस्टेट, आवास, निर्माण और घरेलू उपभोग से संबंधित नीतियों और गतिविधियों में परिवर्तन की संभावना पर नजर रखी जा सकती है.

सामाजिक और मानसिक वातावरण: ग्रहण के बाद जनमानस में भावनात्मक मुद्दों की भूमिका बढ़ सकती है. परिवार, सुरक्षा, रोजगार, महंगाई और जीवन-स्तर जैसे मुद्दे सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में रह सकते हैं. कर्क राशि और आश्लेषा नक्षत्र का यह सूर्य ग्रहण बाहरी सत्ता से ज्यादा भीतर की असुरक्षा और सामूहिक भावनाओं को उजागर करने वाला ज्योतिषीय संकेत माना जा सकता है.

भारत और विश्व के लिए इसका सबसे बड़ा संदेश हो सकता है, जनता की भावनाओं को समझना, सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करना और आर्थिक विकास के साथ मानवीय पक्ष को प्राथमिकता देना. व्यक्तिगत स्तर पर भी यह ग्रहण पुराने मानसिक बोझ, अस्वस्थ आसक्तियों और अप्रासंगिक संबंधों की समीक्षा का अवसर दे सकता है. ग्रहण के समय ध्यान, मंत्र-जप, आत्मचिंतन, दान और सेवा जैसी पारंपरिक गतिविधियों को शुभ माना गया है.

12 अगस्त का सूर्य ग्रहण भय का नहीं, बल्कि परिवर्तन और पुनर्समीक्षा का संकेत है. इसका प्रभाव तत्काल घटना के रूप में देखने के बजाय आने वाले महीनों में राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और व्यक्तिगत परिवर्तनों के संदर्भ में समझना अधिक उचित होगा.

राहुल की आक्रामक मुहिम कुंद

झटके में कुंद करने का काम किया है. ऐसी स्थिति में अब भाजपा को बैठे-बिठाए एक ऐसा मुद्दा मिल गया है जिसका इस्तेमाल वह राहुल गांधी की न्याय की लड़ाई पर सवाल उठाने के लिए कर रही है. हालांकि राहुल गांधी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत मोर्चा संभाला उन्होंने न केवल इस लाठीचार्ज की कड़े शब्दों में निंदा की और इसे पूरी तरह गलत बताया, बल्कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सीधे संवाद कर छात्रों की समस्याओं को तुरंत हल करने का आग्रह भी किया. राहुल गांधी की इस तत्परता का ही असर था कि झारखंड सरकार को तुरंत बैकफुट पर आना पड़ा, मंत्रियों की समिति बनानी पड़ी और अब दावा किया जा रहा है कि छात्रों की 99 फीसदी मांगें मान ली गई हैं. बावजूद इसके भाजपा के रणनीतिकारों के लिए रांची की यह घटना किसी बड़े राजनीतिक जैकपॉट से कम नहीं है. कल तक जो भाजपा पेपर लीक और बेरोजगारी के मुद्दों पर संसद से सड़क तक रक्षात्मक मुद्रा में खड़ी नजर आ रही थी, उसे अचानक विपक्ष के ही अभेद्य किले में एक बड़ा सुराख मिल गया है. भाजपा के कुशल रणनीतिकारों ने बिना देर किए इस मौके को लपकते हुए संसद परिसर में भाजपा के सांसदों और नेताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर राहुल गांधी को सीधे निशाने पर ले लिया है. इतना ही नहीं संसद परिसर में भाजपा सांसदों ने प्रियंका गांधी को घेरकर झारखंड लाठीचार्ज पर राहुल गांधी जवाब दो के नारे लगाए, तो प्रियंका गांधी को यह सफाई देनी पड़ी कि राहुल गांधी झारखंड के छात्रों से मिल चुके हैं. बहरहाल, राज्य सरकार की इस मनमानी ने राहुल गांधी जैसे शीर्ष नेता को एक ऐसी रक्षात्मक स्थिति पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां उन्हें अपने सहयोगियों की गलतियों पर सफाई देनी पड़ रही है.